परमेश्वर ने होशे को अपना परिवार मजबूत करना सिखाया।

जो बच्चो को पढ़ाते हैं वह एफ 2बी पढ़े

प्रार्थना: प्रभु, हमारा परिवार आपका दिया हुआ दान है। हमारी सहायता करें कि हम एक मसीही परिवार की तरह खुश रहें। हमारी सहायता कर कि हम अपने बच्चो को मसीही शिक्षा तथा एक दुसरे में सच्चे प्रेम में बढाए।

1. अपने हृदय को प्रभु के वचन के लिए तैयार करें।

होशे अध्याय तीन में एक अच्छे और क्षमा वाले पति का उदाहरण ढूढ़ें।

- होशे का प्रेम अपनी पत्नी के लिए, किस प्रकार प्रभु का प्रेम अपने लोगो की तरह था।
- किस पाप के लिए होशे ने अपनी पत्नी को क्षमा किया।

पद 2 और 3 में ढूंढे कि होशे ने कैसे अपनी पत्नी की सेवा की।

इफिसियो 5:21-33 में ढूंढे कि पौलुस ने पति-पत्नी को क्या सलाह दी।

- बाइबल मसीहियों को एक दुसरे के लिए क्या करने को कहती है (पद 21)
- एक पत्नी को अपने पति के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए।
- एक पति का अपनी पत्नी के लिए कैसा प्रेम होना चाहिए?

1 शमुएल अध्ययन 3 में ढूंढे, कि एक आज्ञाकारी पुत्र और दो अनाज्ञाकारी पुत्रो का उदाहरण।

- पद 2-10 में ढूंढे शमुएल जब छोटा लड़का था तो उसने प्रभु की सेवा कैसे की।
- पद 13 में देखे एली अपने दोनो बेटों को क्यों अनुशासित नहीं कर सका?
- पद 14 देखे आज्ञाकारी पुत्रों को पश्चाताप न करने पर चेतावनी।

इफिसियो अध्ययन 6:1-4 कैसे बच्चे अपने माता पिता की आज्ञा माने तथा कैसे माता पिता बच्चो को परमेश्वर की शिक्षा में बढ़ाएं। यहाँ कुछ बातें है जिससे माता पिता बच्चो को प्रभु की सेवा में बढ़ा सकते है।

- प्रतिदिन बच्चों को बाइबल की कहानियां सुनाएँ, गीत गाए, प्रार्थना करे तथा वचन को याद करें। शमुएल की तरह, बच्चे भी जब जवान होगे तो प्रभु की सेवा करनी सीख जाँएगे, अगर उन्हें ठीक तरह सिखाया गया।
- उनको दस आज्ञाए, यीशु की आज्ञा, नीतिवचन और एक दुसरे से प्रेम करना सिखाए, जैसा नए नियम में पाया जाता है।
- बच्चों को प्रार्थना में शामिल करें, गाना गाँए तथा छोटे नाटक प्रस्तुत करें और पदो को दोहराए।
- बच्चों को बड़ों से अलग न करें। बड़े बच्चे छोटे को सिखाए।
- बच्चो को प्रेम से सुधारे, गुस्से से नहीं। उनको उन नियमों से परेशान मत करो जो बहुत मुश्किल है।
- बच्चो को दुसरे लोगो की सेवा का अवसर दों।

2. अपने सहयोगी के साथ सप्ताह की गतिविधयों की योजना बनाएं।

☐ अपनी कलिसिया के परिवारों में जाएँ और उनकी, प्रतिदिन की प्रार्थना जिसमें बच्चे भी शामिल हो

बनाने में सहायता करें। माता पिता को भी शामिल करने के उत्साहित करें।

- ☐ कलिसिया के अगुवो को प्रोत्साहित करें कि वह अपने परिवार के साथ प्रार्थना के लिए समय निकाले। शैतान मसीह परिवारों और कार्यकर्ताओं को अपने परिवारों की उपेक्षा करने के लिए उकसाता है। शत्रु हमेशा मसीही अगुवो के परिवारों को कमजोर करता है तथा उनकी सेवकाई को नष्ट करने में लगा रहता है।
- ☐ उन परिवारों में जाएं जो परेशानियों में है और उनको मजबूत बनने की सलाह दें। यहाँ पर कुछ दिशा निर्देश प्रस्तुत है:

  1. उस परिवार के प्रत्येक मनुष्य की समस्या को **सुनो** जो दुखी है उसके बाद सलाह दीजिए।
  2. जो कुछ कहा गया उसे **गुप्त रखे,** किसी और से न कहें।
  3. वचन में से कुछ अंश **पढ़े** और एक दुसरे से बात करे कि हमें दुसरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए जैसे फिलिप्पीये अध्याय दो और 1 कुरिन्थयो अध्याय 13 में हैं।
  4. एक दुसरे की क्षमा के लिए परमेश्वर की कृपा के लिए **प्रार्थना करें।**
  5. परिवार में सबकी **सहायता करें।** एक दुसरे की प्रेम से सेवा के लिए व्यवहारिक मार्ग ढूंढे। घर का मुखिया दुसरो के लिए उदाहरण बने। अगुवे की तरह, वह यह प्रगट करने में पहल करे कि प्रभु का सेवक होने का क्या अर्थ है और परिवार के लिए त्याग की भावना।

3. अपने सहकर्ता के साथ आने वाली प्रार्थनाओं की योजना बनाए।

उन गतिविधियो को चुनिए जो वर्तमान जरूरतो तथा स्थानिय रीति रिवाज के अनुसार हो।

1 शमुएल अध्याय 3 से जवान शमुएल की कहानी बताएँ, जो परमेश्वर की वाणी सुनता है।

भाग एक में जो बातें पाई जाती है, उनसे प्रश्न पूछें।

व्याख्या: बाइबल शिक्षा देती है कि पति अपने परिवार की सेवा बलिदान करते हुए करें, होशे की कहानी बताती है कि उसने कैसे अपनी बेवफा पत्नी को गुलामी से मुक्त कराया, उसको क्षमा किया और उसको शिक्षा दी कि शान्ति से कैसे रहते है।

इफिसियो 5:21 से 6:4 में पौलुस की मसीह परिवारो को सलाह **पढ़े।**

भाग एक में पाए विषय पर प्रश्न **पूछें।**

व्याख्या करो:

- बहुत सी सभ्यता चाहती है कि पत्नी अपने पति और बच्चो की सेवा करे और माता पिता की आज्ञाकारी रहे। जैसा कि बाइबल में इफिसियो 5 और 6 में शिक्षा है। बाइबल यह भी बताती है कि एक दुसरे के आधीन रहो। परिवार में हरएक को अवसर है कि प्रेम और नम्रता से दुसरों की सेवा करें।
- जब पत्नी अपने पति का सम्मान करती है तो वह अपने बच्चों को शिक्षा देती है कि माता-पिता और यीशु का सम्मान कैसे करते है।
- पौलुस पति के प्रेम को, यीशु का अपने चेलो के प्रति प्रेम, से तुलना करता है। यीशु ने हमारे लिए अपने प्राण दिए। पति का अपनी पत्नी के लिए त्याग की भावना से प्रेम एक जीवित उदाहरण मसीह का अपने बच्चो और दुसरो के लिए बलिदान देना है।

भाग एक में पाए गए विषय पर प्रश्न पूछें।

प्रभु भोज को जानने के लिए याकूब 1:5 पढ़े और व्याख्या करे कि याकूब एक अच्छा पिता, जिसने अपने बच्चो के लिए बलिदान किया। जब हम प्रभु भोज लेते हैं, तो याद करते हैं कि हमारा पिता जो स्वर्ग

में है, ने हमारे लिए महान बलिदान किया। वह हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपना इकलौता बेटा दे दिया।

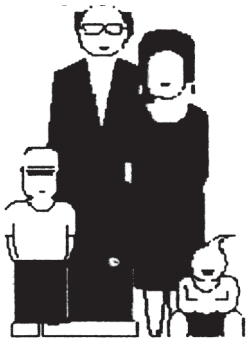

बच्चो ने जो नाटक, कविता, और प्रश्न तैयार किए है, प्रस्तुत करें।

होशे अध्याय 3 से होशे का अपनी बेवफा पत्नी को माफ करना, कहानी बताओ या नाटक करो।

विश्वासियो से गवाही दिलाओ कि परमेश्वर ने कैसे उनके परिवार को बदल दिया और उन्होने अपने परिवार की व्यवहारिक रीति से सेवा करनी कैसे सीखी।

दो तीन लोगो के झुण्ड बनाओ जो एक दुसरे के लिए प्रार्थना करे और सलाह दें तथा योजना बनाए कि प्रतिदिन अपने परिवारों के साथ प्रार्थना में समय बिताएं।

इफिसियो 5:21 याद करें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net